सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 07 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 7 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

इंतजार मत करिए। सही समय कभी नहीं आता।
-नेपोलियन हिल

श्रेयस-गिल और अक्षर के तूफान... 7 | राहुल के बयान पर बिहार में... 3 | भाजपा के इशारे पर मिल्कीपुर में... 2

बीजेपी में खलबली, आप ने उड़ाई नींद

आम आदमी पार्टी के 15 उम्मीदवारों को 15-15 करोड़ का ऑफर!

संजय सिंह ने दी सभी उम्मीदवारों को सचेत रहने की सलाह

» केजरीवाल का दावा सर्वे के जरिये माहौल बनाकर आप उम्मीदवारों को तोड़ने की कोशिश

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने रहस्योउद्घाटन किया है कि बीती रात आम आदमी पार्टी के 15 उम्मीदवारों को बीजेपी की ओर से पैसों के साथ मंत्रीपद के आफर के फोन आये। कुछ आप नेताओं ने स्क्रीनशाट के साथ सोशल मीडिया पर केजरीवाल के आरोपों की पुष्टि की है। यह हाल तब है जब सर्वे में बीजेपी को पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के रूझान मिल रहे हो। केजरीवाल ने सवाल पूछा है कि जब सर्वे में बहुमत है तो आप उम्मीदवारों को खरीदने की कोशिश बीजेपी क्यो? कर रही है। यानि की दाल में काला है और जिस तरह के सर्वे के रिजल्ट आये हैं वह हकीकत नहीं हैं।

केजरीवाल ने कहा है कि एग्जिट पोल्स उनकी पार्टी के लिए हमेशा गलत साबित हुए हैं। दिल्ली में एक बार फिर आम आदमी पार्टी की सरकार बनने वाली है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों के पास भाजपा की तरफ से फोन कॉल्स आ रहे हैं और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए 15-15 करोड़ देने का लालच दिया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि कुछ सर्वे की एजेंसियां बता रही है कि गाली गलौज पार्टी को दिल्ली में 55 से ज्यादा सीटें मिल रही हैं। वहीं बीती शाम हमारे 16 से ज्यादा उम्मीदवारों के पास आप छोड़ने के लिए और भाजपा में शामिल होने के लिए हर एक को 15-15 करोड़ देने के लिए कहा जा रहा है। अगर इनकी 55 सीटें आ रही हैं, तो इन्हें हमारे उम्मीदवारों को फोन करने की क्या जरूरत है। इससे जाहिर है कि ये फर्जी सर्वे कराए गए हैं, ताकि माहौल बना कर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों को तोड़ा जा सके लेकिन हमारा एक भी उम्मीदवार नहीं टूटेगा। उधर आप सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि इस बार भी भाजपा की सरकार नहीं बनेगी। ऐसे में आप को तोड़कर भाजपा सरकार बनाने का प्रयास कर रही है। आप के सात उम्मीदवारों से भाजपा संपर्क कर 15-15 करोड़ रुपये लेकर पार्टी में शामिल करना चाह रही है। उन्होंने सभी उम्मीदवारों को सचेत रहने की सलाह देते हुए कहा कि भाजपा से जितनी भी कॉल आएं, उनकी रिकॉर्डिंग कर लें। अगर कोई मुलाकात कर पैसे का ऑफर देता है, तो हिडन कैमरे से वीडियो बना लें।

एग्जिट पोल एक साजिश : आतिशी

एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि अगर गाली गलौज पार्टी की 50 से ज्यादा सीटें आ रही हैं, तो यह हमारे प्रत्याशियों को संपर्क करके तोड़ने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? यह दिखा रहा है कि एग्जिट पोल एक साजिश है। आम आदमी पार्टी के विधायकों को तोड़ने की।

सभी सर्वे फर्जी हैं : केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि अगर ज्यादा सीटें आ रही हैं तो आप उम्मीदवारों को फोन करने की क्या जरूरत है। सभी सर्वे फर्जी हैं। इसके माध्यम से दिल्ली में माहौल बनाकर आप के उम्मीदवारों को साधने की कोशिश की जा रही है।

मतगणना से पहले ही भाजपा ने हार मानी : संजय सिंह

संजय सिंह ने दावा किया कि मतगणना से पहले ही भाजपा ने हार मान ली है। पूरे देश की तरह भाजपा दिल्ली में भी विधायकों को तोड़कर सरकार बनाना चाहती है। 2013 के विधानसभा चुनाव के बाद शेर सिंह डागर ने आप के विधायक से संपर्क करने का प्रयास किया था। उसके बाद कई बार प्रयास किए गए। कुछ नेता उसके सामने झुक गए। पंजाब में भी इन्होंने सांसद को भाजपा में शामिल किया। वहीं, दिल्ली में दो मंत्रियों को भाजपा में शामिल करवाया। भाजपा दिल्ली में सरकार गिराने का प्रयास कर सकती है।

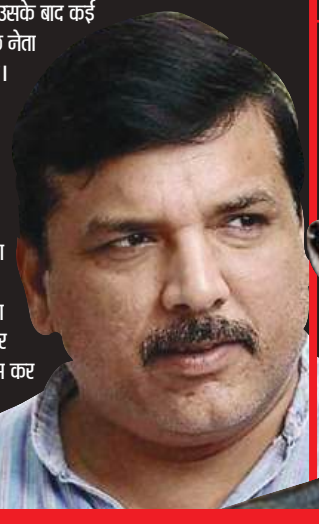

केजरीवाल ने बुलाई सभी 70 उम्मीदवारों की बैठक

केजरीवाल ने सभी 70 आप विधायक उम्मीदवारों की अहम बैठक बुलाई है। बैठक के बाद सभी उम्मीदवारों को नजरबंद कर सकते हैं या फिर अज्ञात स्थान पर ले जा सकते हैं केजरीवाल।

संजय सिंह के आरोप बेबुनियाद : वीरेंद्र सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें चुनावी हार को लेकर आप की हताशा का संकेत बताया। सचदेवा ने एक बयान में कहा, संजय सिंह को या तो अपने आरोप वापस लेने चाहिए और माफी मांगनी चाहिए या फिर कानूनी कार्रवाई का सामना करना चाहिए, उन्हें (संजय सिंह) यह नहीं भूलना चाहिए कि उनकी पार्टी के नेता, दिल्ली के (पूर्व) मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहले से ही इसी तरह के झूठे आरोप लगाने के लिए मानहानि के मुकदमे का सामना कर रहे हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संजय सिंह ध्यान रखें कि विधायकों को पैसे के ऐसे ही झूठे आफर के आरोपों में उनकी मुख्यमंत्री आतिशी जमानत पर हैं. संजय सिंह का भाजपा द्वारा आप के विधायक प्रत्याशियों को लोभ प्रलोभन का आरोप उनकी हताशा का परिणाम है.। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से ही साफ दिख रहा था कि अरविंद केजरीवाल सहित सभी आम आदमी पार्टी नेता निश्चित दिख रही हार से बौखला चुके है।

इन लोगों के पास आये फोन

आप उम्मीदवार मुकेश अहलावत का कहना है कि उनके पास 15 करोड़ लेकर पार्टी में शामिल होने के लिए फोन कॉल आया। उन्होंने इस नंबर का स्क्रीनशॉट लेकर पोस्ट किया कि मैं मर जाऊंगा लेकिन अरविंद केजरीवाल जी का साथ नहीं छोडूंगा। मुझे इस नंबर सो फोन आया और इन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बन रही है और आपको मंत्री बना देंगे और 15 करोड़ रुपए भी देंगे। आप छोड़ कर भाजपा में आ जाओ। आप उम्मीदवार विनय मिश्रा के पास भी फोन आया। उन्होंने कहा है कि उनके पास भी मंत्री पद और 15 करोड़ रुपए के लिए ऑफर आया है। विनय ने कहा कि चाहे 15 करोड़ का ऑफर दें और चाहे 15 हजार करोड़ का, मैं आप छोड़कर भाजपा में कभी नहीं जाऊंगा। इसके अलावा आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार अंजना पर्चा ने भी कहा कि उनके पास 15 करोड़ रुपए देने के लिए फोन कॉल आया। हालांकि उनकी कोशिश नाकाम रही। मुझे चाहे कुछ भी हो लेकिन मैं अरविंद केजरीवाल का साथ नहीं छोडूंगी।

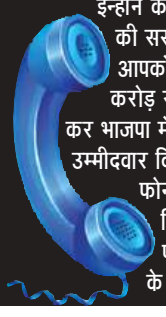

भाजपा के इशारे पर मिल्कीपुर में धांधली, हुई बेईमानी : अखिलेश

बोले- आयोग से की 500 शिकायतें पर कोई सुनवाई नहीं हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा सरकार के इशारे पर बड़े पैमाने पर धांधली, बेईमानी हुई। चुनाव आयोग से समाजवादी पार्टी ने धांधली, फर्जी वोटिंग, बूथ एजेंटों को धमकी देने, बूथों से भगा देने की करीब 500 शिकायतें की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को जो काम करना चाहिए, वो नहीं कर रहा है। भाजपा सरकार ने जाति के आधार पर अधिकारी कर्मचारी और बीएलओ की पोस्टिंग की। अयोध्या के एएसपी को भाजपा के लोग लखनऊ से निर्देश दे रहे थे। भाजपा चुनाव में बेईमानी करती है। मैंने अपनी कई प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि मीडिया मिल्कीपुर में जाकर देखे कि यहां किस तरह से चुनाव हो रहा है।

श्री यादव ने कहा कि फैजाबाद एसएसपी की शह पर थानाध्यक्ष ने समाजवादी पार्टी के नेता प्रदीप यादव को फोन पर धमकी दी, गालियां दी, घर जाकर पीटा। चुनाव आयोग से शिकायत की गयी, आयोग ने उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं की। एसएसपी ने ही थानाध्यक्ष के जरिए समाजवादी पार्टी के नेता को पिटवाया।

डीएमके के साथ खड़ी है सपा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने आज नई दिल्ली में जन्तर-मन्तर पर डीएमके छात्र इकाई द्वारा केन्द्र सरकार की नई शिक्षा नीति के खिलाफ आयोजित धरने को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति कानून के खिलाफ है। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी, पूरी तरह से डीएमके छात्र इकाई के नई शिक्षा नीति के खिलाफ आंदोलन में साथ है। समाजवादी पार्टी के सभी सांसद, विधायक नई शिक्षा नीति के विरोध में है। नई शिक्षा नीति उद्योगपतियों के लाभ के लिए बनायी गयी है। शिक्षा व्यवस्था को उद्योगपतियों के हाथों में सौंपने का षड्यंत्र है। भाजपा सरकार में कुलपतियों की नियुक्तियां किस तरह से हो रही है सब लोग देख रहे है। नई शिक्षा नीति राजनीति और राजनेताओं को उद्योगपतियों का नौकर बना देगी। हम लोग कभी भी नई शिक्षा नीति का समर्थन नहीं कर सकते हैं।

चुनाव कराने वालों की जाति के आधार पर तैनाती की गयी

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने मिल्कीपुर में चुनाव कराने वालों की जाति के आधार पर तैनाती की गयी। एसएसपी राजकरण नय्यर, एसडीएम मिल्कीपुर राजीव रतन सिंह, सीओ मिल्कीपुर श्रेयस त्रिपाठी, थाना इनायतनगर एसओ देवेन्द्र पाण्डेय, थाना कुमारगंज एसओ अमरजीत सिंह, थाना खंडासा संदीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक पवन तिवारी, एडी बेसिक कौस्तुभ सिंह को तैनात किया गया। इनायत नगर थानाध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय भाजपा नेता के खास रिश्तेदार हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने उपचुनाव में तैनाती के लिए एक साथ सूची जारी करने के बजाय एक-एक नाम का आर्डर निकाला, जिससे चुनाव कराने वालो की जाति न पता चले। चुनाव में मतदान के दौरान कोई मंत्री वहां नहीं रूक सकता लेकिन फर्जी वोटिंग में जब एक व्यक्ति पकड़ा गया तो उसने खुद मंत्री से बात कराने की कोशिश की। सब मंत्री वहीं रूके थे।

मप्र में थर्ड डिग्री सिक्योरिटी में गुंडे पुलिस को पीट रहे : पटवारी

» कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होने कहा है कि प्रदेश के महानगर और औद्योगिक नगरी इंदौर में थर्ड डिग्री की सिक्योरिटी होने के बावजूद इंदौर में गुंडागर्दी का आलम यह है कि वहां गुंडे सरेराह पुलिस के साथ अभद्रता और मारपीट कर उन्हें प्रताड़ित करने का अमानवीय और आपराधिक कृत्य कर रहे हैं।

पटवारी ने लिखा कि मप्र की औद्योगिक राजधानी इंदौर में बदमाशों ने पुलिस सब इंस्पेक्टर को पीट दिया! इस घटना ने एक बार फिर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिया है। इसके पहले मध्य प्रदेश पुलिस पर हुए लगातार हमले भी प्रदेश की कानून व्यवस्था की पोल खोलते रहे हैं। प्रदेश में अपराधियों और माफियाओं का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि वे खुलेआम पुलिस पर हमला कर रहे हैं। पुलिसकर्मी स्वयं असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है।

कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे आंदोलन

पटवारी ने लिखा कि इन घटनाओं से साफ है कि मध्य प्रदेश में अपराधियों का भय समाप्त हो चुका है और सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल हो चुकी है। पुलिस प्रशासन पर लगातार हो रहे हमलों से यह भी स्पष्ट है कि प्रदेश में संगठित अपराधियों और माफियाओं को सरकार का संरक्षण प्राप्त है।गृह मंत्रालय कानून व्यवस्था पर नियंत्रण खो चुका है, ऐसे में पुलिस प्रशासन को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त किया जाए। यदि सरकार शीघ्र आवश्यक कदम नहीं उठाती है, तो कांग्रेस पार्टी प्रदेश की जनता के साथ सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

संभल में बुलडोजर एक्शन की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संभल में बुलडोजर कार्रवाई को लेकर दायर अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने को कहा है। जस्टिस बी आर गवई ने कहा कि आप हाईकोर्ट जा सकते हैं। अगर अफसरों ने कुछ गलत किया है तो जेल भेजिए संभल निवासी मोहम्मद गयूर की ओर से याचिक दायर की गई थी।

संभल निवासी मोहम्मद गयूर की ओर से दायर याचिका पर आरोप लगाया था कि देश भर में बुलडोजर कार्रवाई को लेकर पिछले साल नवंबर को दिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवहेलना करके उनकी फैक्ट्री को ढहाया गया है, बुलडोजर कार्रवाई से पहले न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया। याचिका में संभल के डीएम राजेंद्र पेंसिया, एसडीएम, सीडीओ और तहसीलदार को पक्षकार बनाकर उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई थी। इससे पहले याचिकाकर्ता मोहम्मद गयूर की ओर से पेश हुए वकील ने सुनवाई के लिए कुछ समय का स्थगन मांगा था और कहा कि बहस करने वाले वकील व्यक्तिगत परेशानी में हैं उन्होंने पीठ से मामले को एक सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। तब पीठ ने कहा कि याचिका एक सप्ताह बाद सुनवाई के लिए पेश की जाए। अधिवक्ता चांद कुरैशी के माध्यम से दायर अपनी याचिका में याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत के 13 नवंबर के फैसले का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

संसद में पार्टी सांसद के समर्थन में इकरा हसन

महाकुंभ भगदड़ में मृतकों की संख्या पर भाजपा को घेरा, सपा सांसद ने एनडीए सरकार को बोला- शेम-शेम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कैराना से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन लोकसभा में अपने साथी सांसद का हौंसला बढ़ाते नजर आईं। कौशांबी से सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज जब पहली बार संसद में बोल रहे थे तो इकरा उनके द्वारा रखे जा रहे तथ्यों का समर्थन करती दिखीं। इस दौरान जब-जब पुष्पेंद्र सरोज ने सरकार को घेरते हुए सवाल पूछे तो इकरा ने सरकार को लानत भी भेजी यानी वह सरकार के लिए शेम-शेम कहते देखी गईं।

पुष्पेंद्र की पूरी स्पीच के दौरान इकरा ने तीन बार केंद्र सरकार के लिए शेम-शेम कहा। कौशांबी सांसद पुष्पेंद्र ने अपने भाषण की शुरुआत राष्ट्रपति अभिभाषण से की, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में महाकुंभ में मारे जाने वाले लोगों के प्रति सहानुभूति प्रकट की यह अच्छी बात है लेकिन क्या उनकी सहानुभूति केवल उन 30 लोगों के लिए थी जो यूपी सरकार का आंकड़ा है या उन 700 लोगों के लिए भी थी, जो जमीनी आंकड़ा है. पुष्पेंद्र ने जब यह बात कही तो इकरा हसन ने यूपी सरकार के लिए शेम-शेम कहा इस दौरान बाकी विपक्षी सांसद भी शेम-शेम कहते नजर आए।

गांवों में बढ़ रही बेरोजगारी और छुआछूत : पुष्पेंद्र सरोज

पुष्पेंद्र ने जब देश में बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी का जिक्र करते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी बढ़ गई है और मनरेगा का बजट भी

सरकार ने 30प्रतिशत तक कम कर दिया है। तब भी इकरा ने केन्द्र सरकार के लिए शेम-शेम कहा कि आखिरी में जब पुष्पेंद्र ने देश में अभी भी मौजूद छुआछूत की स्थिति पर अपनी बात रखते हुए यह कहा कि जब मैं चुनाव के लिए अपना पर्चा देने गया था तो मेरे हाथों से पर्चा इसलिए नहीं लिया गया क्योंकि मैं दलित समाज से आता हूं तब भी इकरा समेत सभी सपा सांसदों ने शेम-शेम कहा।

मेरी जासूसी करवा रही भजन सरकार : किरोड़ीलाल मीणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अपनी ही सरकार के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं, उन्होंने अपनी ही सरकार पर जासूसी का आरोप लगाते हुए कहा कि 50 फर्जी थानेदारों को गिरफ्तार किया गया।

मैंने जब कहा कि ये परीक्षा रद्द करो, तो सरकार ने मेरी बात नहीं मानी। उल्टा सरकार की तरफ से जैसा पिछले राज में हुआ करता था, वैसा ही हो रहा है, चप्पे-चप्पे पर मेरे लिए सीआईडी लगाई जा रही है और मेरा टेलीफोन भी रिकॉर्ड किया जा रहा है। डॉ. मीणा ने कहा कि इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। किरोड़ीलाल मीणा राजस्थान की भजनलाल सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। उन्होंने जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि सीएम भजनलाल ने उनसे इस्तीफा देने से मना किया था। राजस्थान में लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने के बाद से ही अटकलों का बाजार गर्म था कि किरोड़ीलाल इस्तीफा दे सकते हैं, अब इन अटकलों पर उन्होंने मुहर लगा दी है. दरअसल वह दौसा से चुनाव हार गए थे। वहीं इसकी एक वजह राजस्थान में पावर गेम को भी माना जा रहा है। वह राजस्थान में बीजेपी के कद्दावर नेता माने जाते हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

राहुल के बयान पर बिहार में घमासान

नेता प्रतिपक्ष पर भड़की चिराग पासवान की पार्टी की सांसद

» भाजपा ने कांग्रेस पर किया जोरदार हमला

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एकबार फिर जातिगत सर्वेक्षण पर सियासी कोहराम मचा है। ये कोहराम कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुलगांधी की बिहार यात्रा के बाद ज्यादा जोर लेता जा रहा हैं। दरअसल बिहार के जातीय सर्वेक्षण पर कांग्रेस से सवाल उठाया। इसी को लोजपा रामविलास पासवान व भाजपा ने राहुल को घेरा है। भाजपा नेता व राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि संविधान की दुहाई देने वाले राहुल गांधी खुद संविधान के लिए खतरा बन गए हैं। उन्हें बिहार की जातीय जनगणना ही नहीं, देश के चुनाव आयोग, ईवीएम, संसद और विधान सभाओं के फैसले तक फर्जी लगते हैं।

वहीं चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी-रामविलास सांसदशांभवी चौधरी ने आगे कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने सरकारी संस्थानों में दलितों के लिए बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला। पीएम ने आंकड़े भी पेश किए। वह जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में हिस्सा लेने के लिए पटना में हैं और उन्होंने ठीक से उनका नाम तक नहीं लिया। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के दलित और पूरे देश के दलितों को कहना चाहता हूं कि यह जो संविधान है, यह आंबेडकर और गांधी जी की देन है। संविधान में आपके हजारों साल का दर्द छुपा है। जो आपके साथ अपमान किया गया, जो आपको दबाया गया वह सब इसके भीतर है और यही आपको एक नया भविष्य दे सकता है और बचा सकता है तथा यही आपको देश में सच्ची भागीदारी दे सकता है, इसीलिए भाजपा और आरएसएस के लोग इसको खत्म करना चाहते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि जब तक यह संविधान है उस दिन तक देश के दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को नहीं दबाया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा, यह इस पर सामने से प्रहार नहीं करते हैं। लोगों के सामने मोदी जी इसे माथा टेकते हैं। आंबेडकर जी के सामने आरएसएस के सभी नेता आजकल हाथ जोड़ते हैं पर हाथ जोड़ते वक्त जिस चीज के लिए आंबेडकर जी लड़े, जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन दे दिया उसे रद्द करते हैं, उस पर आक्रमण करते हैं और उसको खत्म करने की कोशिश करते हैं।

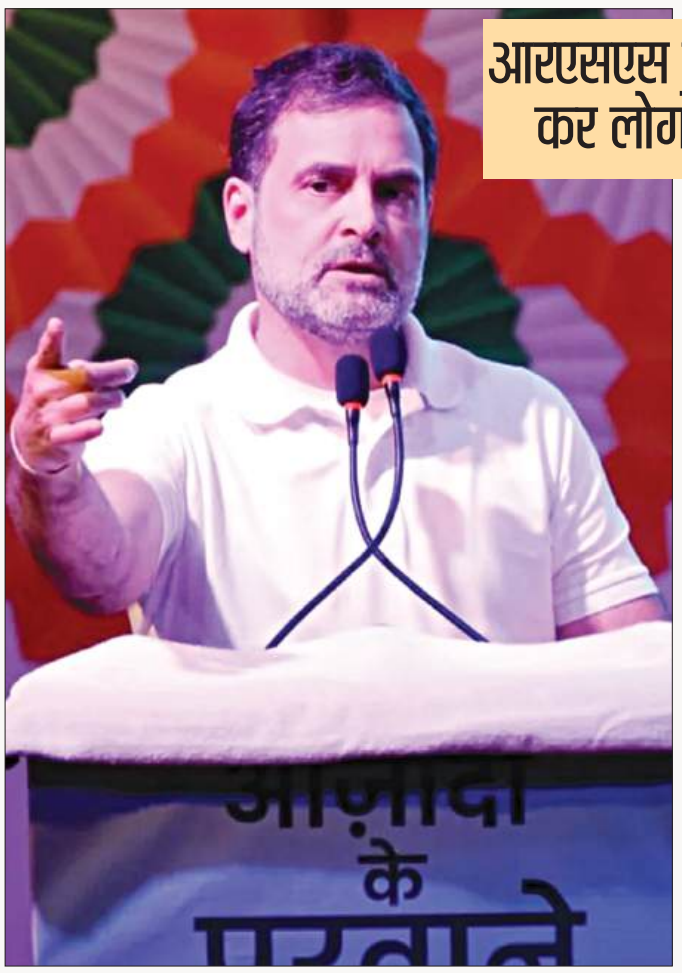

आरएसएस के लोग अंबेडकर के प्रति सम्मान का दिखावा कर लोगों की आंखों में धूल झोंक रहे : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर संविधान को खत्म करने की मंशा रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान को माथा टेक कर और आरएसएस के लोग अंबेडकर के प्रति सम्मान का दिखावा कर लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं। स्वतंत्रता सेनानी एवं दलित नेता जगलाल चौधरी की जयंती के अवसर पर पटना में आयोजित एक समारोह में राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, आपने मुझे बुलाया, आप कह रहे थे कि दिल्ली का चुनाव है। हां, दिल्ली का चुनाव है। वह अपनी जगह पर है मगर यह भी समारोह बहुत जरूरी है, तो मैं वोट डालकर सीधा यहां आ गया। उन्होंने कहा, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आप (दलितों) लोगों के इतिहास का कोई उल्लेख नही है। क्या देश में दलित प्रोफेसर परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, देश की 200 बड़ी कंपनियों के मालिकों में एक ओबीसी, आदिवासी और दलित नहीं है। पूरा का पूरा पैसा आपकी जेब से स्थानांतरित हो रहा है और फिर भी आप गरीब हो। राहुल ने कहा, मोदी जी ओबीसी की बात करते रहते हैं। देश का बजट 90 अधिकारी बनाते हैं और उनमें केवल तीन ही दलित हैं। आपकी आबादी 15-16 प्रतिशत है और 90 अधिकारियों में से केवल तीन अधिकारी आपके समुदाय से हैं और उन तीन अधिकारियों को छोटे-छोटे विभाग दे रखे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, अब इसका उपाय क्या है। सबसे पहले यह पता लगाना है कि किसकी कितनी आबादी है और किसको कितनी भागीदारी मिल रही है। इसका पता लगाने का एक ही उपाय है जातीय जनगणना और यह बिहार वाला जातीय जनगणना जो है, मैं इसकी बात नहीं कर रहा हूं, जातीय जनगणना देखना है तो तेलंगाना वाला देख लीजिए। उन्होंने कहा, जाति जनगणना केवल सर्वेक्षण नहीं है। जाति जनगणना हमें यह बता देगा की दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग, सामान्य वर्ग तथा सामान्य वर्गों में गरीब कौन है। उसके बाद हम हिंदुस्तान की सारी संस्थाओं की सूची निकालेंगे, चाहे वह न्यायपालिका, नौकरशाही, मीडिया, उद्योग जगत हो, इनमें दलित, पिछड़ों और आदिवासियों की कितनी भागीदारी है इसका पता लग जाएगा।

राहुल गांधी बिहार का अपमान कर रहे है : चौधरी

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार विधान मंडल में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव के अनुसार जो जातीय सर्वेक्षण हुआ, उस पर सवाल उठा कर राहुल गाँधी बिहार का अपमान कर रहे हैं। चौधरी ने कहा संविधान की फर्जी कॉपी लेकर घूमने से संविधान की रक्षा नहीं होती। वे बतायें कि कांग्रेस ने अपने 60 साल के राज में जातीय जनगणना क्यों नहीं करायी? उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी को बिहार के जातीय सर्वेक्षण पर टिप्पणी करने से पहले बताना चाहिए कि कर्नाटक सरकार ने 2016 में 160 करोड़ रुपये खर्च कर जो जातीय जनगणना करायी, वह 8 साल बाद भी जारी क्यों नहीं हुई? कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में कब जातीय जनगणना करायेगी? तेलंगाना में जो जातीय सर्वेक्षण

हुआ, उसे कांग्रेस लागू क्यों नहीं कर पायी? चौधरी ने कहा कि संविधान की दुहाई देने वाले राहुल गांधी खुद संविधान के लिए खतरा बन गए हैं। उन्हें बिहार की जातीय जनगणना ही नहीं, देश के चुनाव आयोग, ईवीएम, संसद और विधान सभाओं के फैसले तक फर्जी लगते हैं। उन्होंने कहा राहुल गांधी, सोनिया गांधी और उनकी पार्टी ने सत्ता में रहते हुए ही नहीं, विपक्ष में आने पर भी संवैधानिक संस्थाओं का अपमान जारी रखा। चौधरी ने कहा कि कर्नाटक की जातीय जनगणना यदि फर्जी नहीं है, तो राहुल गाँधी उसे जारी कराने का साहस क्यों नहीं दिखाते? इस साल 15 जनवरी की तारीख तय होने के बाद किसके दबाव में जनगणना की रिपोर्ट जारी नहीं की गई ?

हिंदुस्तान की हर संस्था व तंत्र में नेतृत्व के स्तर पर दलित, आदिवासी और पिछड़े लोग दिखने चाहिए

राहुल ने कहा, मैं ऐसा दिन देखना चाहता हूं कि हिंदुस्तान की हर संस्था और तंत्र में नेतृत्व के स्तर पर दलित, आदिवासी और पिछड़े लोग दिखें। मैं वह दिन देखना चाहता हूं कि जब हिंदुस्तान की शीर्ष दस कंपनियों के मालिक दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग से हों और मैं उसके लिए लड़ रहा हूं तथा आगे भी लड़ता रहूंगा। उन्होंने कहा, उद्योग जगत की बात करें तो नरेन्द्र मोदी जी ने देश के 25 सबसे अमीर लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया... यह दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का धन है। देश में 100 रुपए में दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग सभी को मिलाकर हिस्सेदारी 6.10 रुपए है और इसे भी वो छीनने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लड़ाई हिंदुस्तान में विचारधारा की है। एक तरफ आरएसएस भाजपा और दूसरी तरफ आंबेडकर जी, महात्मा गांधी, जगलाल चौधरी जी। तो यह विचारधारा की लड़ाई चल रही है। हाथ में संविधान की प्रति लिए उसे दिखाते हुए राहुल गांधी ने कहा, आंबेडकर जी ने इसे दिया जिसे वह खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा कहना है कि प्रतिनिधित्व जितना ही जरूरी है उतनी ही भागीदारी भी। उन्होंने कहा, कल संसद में भी मैंने भागीदारी और जातीय जनगणना की बात की है और उसके बाद प्रधानमंत्री ने

जवाब दिया पर उनके जवाब में जाति जनगणना को लेकर एक शब्द भी क्या आपने सुना क्योंकि नरेन्द्र मोदी, आरएसएस और भाजपा जातीय जनगणना नहीं करना चाहती। ऐसा इसलिए कि वे देश की सच्चाई आपको बताना नहीं चाहते हैं। पर मैंने निर्णय ले लिया है कि चाहे जो कुछ भी हो जाए देश के दलित, पिछड़ा और आदिवासियों को उनकी सच्ची भागीदारी दिखाना चाहता हूं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, देश में दलित, आदिवासियों और पिछड़ों को कहीं भी भागीदारी नहीं मिल रही है और जैसे ही आपके आंकड़े सचमुच में देखेंगे, हिंदुस्तान की असलियत हर एक नागरिक और इन समुदाय के लोग सभी समझ जाएंगे और फिर एक नई तरह की राजनीति और नए तरीके का विकास शुरू होगा।

बिहारी शब्द को बदनाम कर दिया : सिन्हा

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि पूरे देश से कांग्रेस का सफाया हो गया है और बिहार से भी उनका सफाया हो जायेगा। उन्होंने बिहारी शब्द को बदनाम कर दिया है।

नेता प्रतिपक्ष के आंखों पर पट्टी बंधी है वे देश में बदलाव नहीं देख सकते : शांभवी चौधरी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज पटना पहुंचे थे। पटना में उन्होंने एक सभा को संबोधित किया। हालांकि, उनके संबोधन पर चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी-रामविलास सांसद शांभवी चौधरी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि उसे ऐसी सलाह कौन देता है और क्यों देता है। क्या उनकी आंखों पर पट्टी बंधी है कि वे देश में बदलाव नहीं देख सकते? मैंने हमेशा कहा है कि कांग्रेस दलित विरोधी मानसिकता के साथ आगे बढ़ती है।शांभवी चौधरी ने आगे कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने सरकारी संस्थानों में दलितों के लिए बढ़ते अवसरों पर प्रकाश

डाला। पीएम ने आंकड़े भी पेश किए। वह जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में हिस्सा लेने के लिए पटना में हैं और उन्होंने ठीक से उनका नाम तक नहीं लिया। उन्होंने कहा कि वह बार-बार उन्हें जगत चौधरी कहकर संबोधित कर रहे थे। उसे मौके का भी पता नहीं चलता. जगलाल चौधरी एक स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने दलितों, महिलाओं और भूमि सुधारों के लिए बड़े पैमाने पर काम किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नेक्रोफिलिया को अपराध घोषित करे केंद्र सरकार

सुप्रीमकोर्ट के टिप्पणी से मानवता का झंडा उठाने वालों पर सवालिया निशान लग गया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने कहा है शव के साथ यौन संबंध अपराध नही है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय दंड संहिता में नेक्रोफिलिया यानी शव के साथ कामुकता को अपराध नहीं माना गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के बाद शव के साथ यौन संबंध के एक मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। हाई कोर्ट ने शख्स को रेप के आरोप से बरी कर दिया था, लेकिन हत्या की सजा कायम रही। हालांकि इस टिप्पणी के बाद सरकार से इसपर कानून बनाने की मांग होने लगी है। आम से लेकर कानून की जानकारी रखने वाले लोग भी इस अमानवीय कृत पर सजा देने की मांग रख रहे हैं। बतादें अस्पतालों और मुर्दाघरों में युवतियों के शवों के साथ यौन संबंध की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन भारत में ऐसे मामलों के लिए कोई विशेष कानून नहीं है। नेक्रोफिलिया एक मनो-यौन विकार है। यह सही समय है कि केंद्र सरकार मृत व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं की गरिमा बनाए रखने के लिए IPC की धारा 377 में संशोधन करे और नेक्रोफिलिया को अपराध घोषित करे, जैसा कि यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में किया गया है।

यह मामला भारतीय दंड संहिता में संशोधन की आवश्यकता को उजागर करता है ताकि मृत व्यक्ति की गरिमा और अधिकारों की रक्षा की जा सके। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस मामले में कर्नाटक सरकार की ओर से अडिशनल एडवोकेट जनरल अमन पंवार ने तर्क दिया कि आईपीसी की धारा 375(सी) में शरीर शब्द को मृत शरीर भी शामिल माना जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि रेप की परिभाषा के तहत प्रावधान में कहा गया है कि यदि कोई महिला सहमति नहीं दे सकती है तो इसे बलात्कार माना जाएगा। इसी तर्क के आधार पर मृत शरीर भी सहमति नहीं दे सकता, इसलिए यह अपराध बलात्कार की श्रेणी में आना चाहिए। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि नेक्रोफिलिया भारतीय दंड संहिता के तहत कोई अपराध नहीं है, इसलिए वह हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने को इच्छुक नहीं है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि मृत शरीर के साथ यौन संबंध को बलात्कार नहीं माना जा सकता, क्योंकिआईपीसी की धारा 375 और 377 केवल जीवित मनुष्यों पर लागू होती है। धारा 375 और 377 का गहराई से अध्ययन करने पर यह स्पष्ट होता है कि मृत शरीर को व्यक्ति या मानव नहीं माना जा सकता। इसलिए, इन धाराओं के तहत कोई अपराध नहीं बनता और आरोपी को आईपीसी की धारा 376 के तहत सजा नहीं दी जा सकती। हाई कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि नक्रोफिलिया एक गंभीर समस्या है और संसद को इसे अपराध घोषित करने के लिए कानून बनाना चाहिए। केंद्र सरकार को इसपर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

आम से लेकर कानून की जानकारी रखने वाले लोग भी इस अमानवीय कृत पर सजा देने की मांग रख रहे हैं। बतादें अस्पतालों और मुर्दाघरों में युवतियों के शवों के साथ यौन संबंध की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन भारत में ऐसे मामलों के लिए कोई विशेष कानून नहीं है। नेक्रोफिलिया एक मनो-यौन विकार है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अवैध भारतीय प्रवासियों से जुड़े यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

आगामी 12 और 13 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका का दौरा करेंगे। उससे पहले वे 11 फरवरी को फ्रांस जाएंगे। यह भी मोदी डिप्लोमेसी के लिए परीक्षा की घड़ी थी, कि अमेरिकी सेना का विमान उनकी यात्रा से पहले अवैध घोषित 205 नागरिकों को लेकर अमृतसर उतरा। हथकड़ी लगे 205 अवैध प्रवासी, इनमें 25 महिलाएं, 12 बच्चे। और सेना के उस विमान में केवल एक टॉयलेट। सोचिये, कितना अमानवीय है? मोदी सरकार फिर भी, 'मैं चुप रहूंगी' की मुद्रा में। अवैध भारतीय प्रवासी पहले भी गल्फ और यूरोप से डिपोर्ट किये गए हैं, मगर यह तरीक़ा कितना सही था, जेनेवा कन्वेंशन भी भूल गए? और क्या भारत अपने यहां रहे शरणार्थियों के साथ ट्रम्प मॉडल अपनाये? क्या उन्हें भी सेना के विमानों द्वारा ढुलवाकर संबंधित देशों में भेजना शुरू करे? दुनियाभर में शरणार्थियों, विस्थापित लोगों की स्थिति 2024 में, गुज़रे सालों की अपेक्षा सबसे बदतर रही है। 'यूएन हाईकमिश्नर फॉर रिफ्यूजी' कार्यालय के उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने बताया था, कि पिछले वर्ष युद्ध, हिंसा, और उत्पीड़न के कारण 114 मिलियन लोग दुनियाभर में विस्थापित हुए।

अमेरिका में उन दो लाख अफ़ग़ानों की जान भी सांसत में है, जिन्हें जो बाइडेन प्रशासन ने बसने की अनुमति दी थी। ट्रम्प द्वारा शरणार्थी प्रवेश कार्यक्रम को निलंबित करने के बाद, अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे सीरिया-अफ़ग़ानिस्तान समेत कई मुल्कों के नागरिकों का भाग्य अधर में लटक गया है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी, 'यूएनएचसीआर' का अनुमान था, कि दुनिया भर में 30 लाख शरणार्थियों को 2025 में पुनर्वास की आवश्यकता होगी। लेकिन, ट्रम्प के इस क़दम से पुनर्वास पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो चुका है। अमेरिका, यदि 'जेनेवा कन्वेंशन प्रोटोकॉल-टू' पर हस्ताक्षर किये होता, ट्रम्प या उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन इस तरह की ज़बरदस्ती नहीं कर पाते। गंभीर नागरिक संघर्षों में शामिल व्यक्तियों को मानवाधिकार सुरक्षा प्रदान करता है।

सामूहिक दंड, यातना, व्यक्तिगत गरिमा पर आघात, अपमानजनक व्यवहार, बलात्कार, वेश्यावृत्ति के लिए बाध्य करने और किसी भी प्रकार के अभद्र हमले को प्रोटोकॉल-टू की धाराओं के ज़रिये प्रतिबंधित किया गया है। ट्रंप, इस समय 'अमेरिका केवल

अमेरिकन्स का है', का राष्ट्रवादी नारा लगा रहे हैं। मगर, यह भूल जाते हैं कि इस देश का निर्माण, बाहरी आबादी की बसावट से हुआ है। अमेरिका को किसने और कब उपनिवेश बनाया, इस सवाल पर लंबे समय से गरमागरम बहस चल रही है। माना जाता है, कि मूल अमेरिकी पूर्वोत्तर एशिया से आए थे। बाजा (कैलिफ़ोर्निया) में हाल के शोध से पता चलता है, कि महाद्वीप की प्रारंभिक बसावट दक्षिण-पूर्व एशियाई लोगों द्वारा संचालित थी, जिन्होंने पहले ऑस्ट्रेलिया पर कब्जा कर लिया था, और फिर लगभग 13,500 साल पहले अमेरिका में फैल गए। यह पूर्वोत्तर एशिया से मंगोलॉयड लोगों के आने से पहले की बात है। लेकिन, इस समय अमेरिका, 'खाता न बही, जो ट्रंप कहे वही सही' के मार्ग पर अग्रसर है। ट्रंप दरअसल, अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन से बड़ी लकीर खींचना चाहते हैं। जो बाइडेन प्रशासन ने पिछले वित्तीय वर्ष में 271,484 अवैध आप्रवासियों को निर्वासित किया था, जो 2014 के बाद से निर्वासन का उच्चतम रिकार्ड रहा है। लेकिन ट्रंप भी चेहरा देखकर, अवैध घोषित शरणार्थियों को सेना के विमान से ढो कर भेज रहे हैं। जो बाइडेन ने जून, अक्तूबर, और नवंबर, 2024 में तीन चार्टर उड़ानों के ज़रिये 350 चीनी नागरिकों को उनके देश वापस भेज दिया था। चीन के 37,908 मामले हैं, जबकि भारत में 17,940 मामले हैं। लेकिन, सेना का विमान? चीन के सन्दर्भ में व्हाइट हॉउस ऐसा 'एडवेंचर' नहीं करेगा। पर सवाल है, क्या भारतीय विदेश मंत्रालय और वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी ऐसी कार्रवाई से अनभिज्ञ थे? बहुत पुरानी बात नहीं, जब भारतीय संसद में अवैध प्रवासी भारतीय नागरिकों का सवाल उठा था।

कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने विदेश मंत्री से चार सवालों के उत्तर मांगे थे (क) 2019 से अब तक अमेरिका, कनाडा, यूरोपीय संघ, खाड़ी देशों में अवैध रूप से प्रवेश करने/रहने के दौरान पकड़े गए/निर्वासित किए गए भारतीयों का राज्यवार ब्यौरा क्या है? (ख) बिना वीजा अवैध रूप से भारतीय दूसरे देशों में किन कारणों से जा रहे हैं? (ग) क्या पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, कनाडा, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्वी एशियाई और खाड़ी देशों में भारतीय कामगारों के आव्रजन में बड़ी गिरावट आई है? (घ) इन देशों में भारतीय कामगारों के प्रवास में इतनी बड़ी गिरावट के क्या कारण हैं? 8 फरवरी, 2024 को विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने जवाब में कहा, कि विदेशी नागरिकों के निर्वासन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया हर देश में अलग-अलग होती है।

संकट से जुड़े अंतर्सूत्रों को समग्रता में पहचानें

डॉ. जगमति सांगवान

वर्ष 2024 के जन्म दर लिंगानुपात के आंकड़े हरियाणा में गिरते लिंगानुपात को दर्शाते हैं, जो महिलाओं के प्रति बढ़ते भेदभाव और सामाजिक लैंगिक असमानता को संकेतित करते हैं। हालांकि, पिछले दशक में किए गए प्रयासों से कुछ सुधार हुआ था, लेकिन 2024 के आंकड़े उस प्रयास को बड़े झटके की तरह सामने लाए हैं, जो राज्य में लड़की जन्म दर को बढ़ाने के लिए उठाए गए थे। वर्ष 2014 में हरियाणा का जन्म दर लिंगानुपात 871 था, जो 2016 में बढ़कर 900 और 2019 में 923 हुआ। हालांकि, इसके बाद 2024 में इसमें 13 अंकों की गिरावट आई और यह 910 पर पहुंच गया। इसके परिणामस्वरूप, हरियाणा का कुल लिंगानुपात 1000:879 हो गया, जबकि राष्ट्रीय अनुपात 1000:940 है, जो चिंता का कारण बनता है।

पुत्र की अनिवार्यता की पुरानी धारणा, जो मुखाग्नि देने और वंश बेल को आगे बढ़ाने से जुड़ी रही है, अब बदल रही है। हाल ही में, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पुत्री द्वारा मुखाग्नि देने या बेटियों द्वारा मां-बाप की अर्थी को कंधा देने जैसे उदाहरण सकारात्मक बदलाव को दर्शाते हैं। समाज में इस बदलाव को समर्थन देने के लिए कई पहल हो रही हैं, जैसे लड़की के जन्म पर उत्सव मनाना, लड़कियों को वंश की वारिस मानना, और महिलाओं के नामों को सम्मानजनक रूप में बदलना। इन प्रयासों को बढ़ावा देने की जरूरत है। बेटियों द्वारा खेलों और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता हासिल कर परिवारों और देश का नाम रोशन करना एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। हालांकि, गिरते लिंगानुपात के अन्य कारणों में प्रशासनिक और सरकारी प्रयासों की दिशा उत्साहजनक नहीं रही है। महिला सुरक्षा और आर्थिक संकट के बावजूद, दहेज और शादियों पर बढ़ते खर्चों के खिलाफ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। रिसर्च से यह साफ है कि ये अंध उपभोक्तावादी प्रचलन गिरते लिंगानुपात में योगदान दे रहे हैं। निर्भया कांड और अन्य समान घटनाओं ने महिला सुरक्षा को एक ज्वलंत मुद्दा बना दिया था।

वर्ष 2015 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना हरियाणा से शुरू की गई और सरकार ने इस मुद्दे के समाधान के लिए कुछ प्रतिबद्धता दिखाई। लिंग जांच पर सख्ती और प्रदेशभर में छापेमारी की गई, हालांकि अभियान का बजट अधिकतर प्रचार पर खर्च हुआ। परिणामस्वरूप, लिंगानुपात में 52 अंकों का सुधार हुआ, लेकिन जनसंख्या विशेषज्ञों ने डाटा की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। लिंगानुपात में गिरावट से चिंतित हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने हाल ही में सभी सिविल सर्जनों को सख्ती बढ़ाने व हर 15 दिन में रिपोर्ट मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए हैं। वास्तव में समान लिंगानुपात की समस्या को सही परिप्रेक्ष्य में समझने और समग्र प्रयासों की आवश्यकता है। पुत्र लालसा और पुत्र अनिवार्यता की जड़ें हमारी आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में गहरे तक समाहित हैं, जो समाज में भेदभाव और पितृसत्तात्मक मानसिकता को बढ़ावा देती हैं। यदि हमारे आर्थिक-सामाजिक ढांचे में भेदभावपूर्ण तत्व हैं, तो उनके परिणाम स्वाभाविक रूप से सामने आएंगे।

वहीं, वे राज्य जहां लिंगानुपात समान हैं, वे राज्य हैं जहां महिलाओं को संपत्ति में बराबरी का अधिकार मिला है और जहां समाज सुधार आंदोलनों ने प्रभावी बदलाव किए हैं। वर्तमान में महिलाओं की समानता को बढ़ावा देने वाले कानूनों और मूल्यों को वर्ण व्यवस्था के अनुरूप ढालने की कोशिशें हो रही हैं। उदाहरण के तौर पर, दहेज विरोधी कानून और जस्टिस वर्मा कमेटी की सिफारिशों के तहत महिला सुरक्षा के कानूनों के सार को कमजोर किया जा रहा है। 'महिलाएं झूठे मुकदमे लगाती हैं' जैसे भ्रामक प्रचार को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि सर्वे और आंकड़े इस तरह की धारणा के खिलाफ हैं और इसे गलत साबित करते हैं। यह स्थिति महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के बजाय उन्हें कमजोर करने की दिशा में है। उधर महिला अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों और व्यक्तियों को निशाना बनाया जा रहा है। जिन लोगों ने महिला भ्रूण हत्या पर रोक लगाने के लिए संघर्ष किया, आज उन्हें उनके विभिन्न अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। इसके विपरीत, पुत्र लालसा को बढ़ावा देने वालों को सम्मानित किया जा रहा है, जो महिला अधिकारों के खिलाफ एक नकारात्मक संदेश है। दूसरी तरफ यह तो मान्य तथ्य है ही कि बढ़ते आर्थिक संकट की कीमत महिलाएं ही सबसे ज्यादा अदा करने को अभिशप्त हैं। पढाइयां उन्हीं की छूटती हैं।

बेरोजगारी से बढ़ती नशाखोरी की वजह से अनेक तरह के अपराधीकरण की वही सबसे ज्यादा शिकार होती हैं। आर्थिक संकट के दबाव में एक बच्चा पैदा करने की चेष्टा भी पुत्र प्राथमिकता की मनोवृत्ति के चलते लड़की के जन्म से बचा जा रहा है। इस प्रकार इन सभी बिन्दुओं से गिरते लिंगानुपात के जो अन्तर्सूत्र जुड़े हुए हैं उन्हें समग्रता में पहचान कर उनके खिलाफ एक तरफ सामाजिक स्तर पर बड़ा समाज सुधार आन्दोलन छेड़ने की जरूरत है। प्रशासनिक स्तर पर पीसीपीएनडीटी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने की सख्त जरूरत है। केवल माताओं को इस समस्या के लिए जिम्मेदार मानकर जवाबदेही से बचने का काम नहीं चलने वाला। धन लोलुपता में डूबे बेटी भ्रूणों की हत्या का धंधा करने वाले संगठित गिरोहों के खिलाफ तुरंत कार्रवाइयों के उदाहरण पेश करने होंगे।

नाजुक दिल को मजबूत बनाते हैं ये योगासन

पिछले कुछ वर्षों से हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। लोगों में हृदयाघात का जोखिम बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। हृदय रोग किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है। बिगड़ी लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण हृदय रोग का जोखिम बढ़ जाता है। कोरोना काल के बाद से हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट के कई मामले सामने आए हैं। इनमें से कई ऐसे केस भी हैं, जिसमें फिटनेस का ध्यान रखने वाले जिम व नियमित व्यायाम करने वाले लोग शामिल हैं। सिर्फ शरीर को हिट रखने से हृदय मजबूत नहीं बनता है। दिल को मजबूत बनाने और हृदय रोग के जोखिम से बचने के लिए नियमित योग किया जा सकता है। योग के माध्यम से उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित कर के हृदय गति को कम किया जा सकता है। अपनी दिनचर्या में योग आसनों को शामिल करके हार्ट अटैक और हृदय संबंधी रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए करें नियमित अभ्यास

वृक्षासन

योग में बच्चों और वृद्धों दोनों के लिए अगर कोई आसन मुफीद है तो वो है वृक्षासन। जैसा की नाम से स्पष्ट है कि यह आसन वृक्ष पर अधारित है। जिस तरह वृक्ष जमीन में जड़ों को समाहित कर तने को मजबूती देता है ठीक उसी तरह यह आसन भी जमीन पर अपना बैलेंस बनाकर पूरे शरीर को मजबूती देता है। तनाव कम करने, मस्तिष्क शांत रखने और हृदय रोग की समस्या से बचाव के लिए नियमित वृक्षासन का अभ्यास कर सकते हैं। इस आसन से हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है। इस आसन से एकाग्रता बढ़ने के साथ ही गठिया की बीमारी में राहत मिलती है। इस आसन में बैलंस बहुत जरूरी है क्योंकि इसमें एक पैर पर खड़े होना होता है। इसलिए बच्चे जब यह आसन करते हैं तो उनकी एकाग्रता बढ़ती है जो पढ़ाई में उन्हें आगे ले जाती है। वहीं वृद्ध जब इस आसन को करते हैं तो उन्हें गठिया आदि के रोगों में आराम मिलता है।

धनुरासन

इस आसान को धनुरासन इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह धनुष आकार में होता है। यह आसान पद्मासन श्रेणी का एक आसान है। धनुरासन की खास बात यह है कि इस आसन को करने से आपको भुजंगासन और शलभासन दोनों के लाभ मिलते हैं। इसके अलावा हृदय को मजबूत बनाने के लिए धनुरासन योग लाभकारी होता है। धनुरासन हृदय की मांसपेशियां मजबूत बनाता है, शरीर को स्ट्रेच और हृदय पर अतिरिक्त पड़ने वाले दबाव को कम करता है। रक्त संचार में सुधार और रक्त परिसंचरण बेहतर कार्य करने में भी सहायक है। धनुरासन को करने के लिए सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं। आपके पैरों में नितंब जितना फासला रखें और दोनों हाथों को सीधा रखें। अब अपने घुटनों को मोड़कर कमर के पास ले जाएं और अपनी घुटिका को दोनों हाथों से पकड़ें। अब सांस लेते हुए अपनी छाती को जमीन से ऊपर उठाएं। अब अपने पैरों को आगे की ओर खींचें। अब अपना संतुलन बनाते हुए सामने देखें।

वीरभद्रासन

वीरभद्रासन को वारियर पोज भी कहते हैं जो एक स्टैडिंग हाई पोज है। यह आमतौर पर हठ, विन्यास और अष्टांग योग के साथ कई तरह के योग स्टाइल में काफी फेमस है। इस मुद्रा का नाम एक भयानक योद्धा वीरभद्र के नाम पर रखा गया है। वीरभद्र हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव का ही एक रूप है जिसे सती की मृत्यु पर उन्होंने अपनाया था। वीरभद्रासन इसे शुरू करने वालों के साथ ही लिमिटेड मोबिलिटी वाले लोगों के लिए काफी मुश्किल भरा हो सकता है। पर अगर इस योगासन को अपने रूटीन में शामिल कर लिया जाए तो इसके कई फायदे हैं। शरीर के संतुलन में सुधार, क्षमता में सुधार और मांसपेशियों को स्वस्थ रखने के लिए वीरभद्रासन को जीवन में शामिल करें।

सहनशक्ति को बढ़ाने के लिए नियमित इस आसन का अभ्यास कर सकते हैं। वीरभद्रासन रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और तनाव को कम कर सकता है। इस आसन से हार्ट रेट नियंत्रित रहता है। हृदय की

हंसना मना है

वाईफ- जानू हम ना..मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर फ्राइडे.. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबैंड- यस, और संडे मंदिर.. वाइफ- क्यों.. हसबैंड- भीख मांगने।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबैंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

अमीर आदमी- आज मेरे पास 14 कार, 18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी- मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

पत्नी- शरम नही आती, दुसरी औरत को घूर-घूर कर देख रहे हो! अब तुम शादी शुदा हो। पति- ऐसा कहां लिखा है की उपवास हो तो खाने का मेनू भी नहीं देख सकते।

मुकेश अंबानी- अगर मैं सुबह से अपनी कार में निकलूं तो शाम तक अपनी आधी प्रॉपर्टी भी नहीं देख सकता, संता- हमारे पास भी ऐसी ही खटारा कार थी, बेच दी।

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से पूछा, तुम्हें खुशी मिलती है जब मैं रोती हूं? उसने जवाब दिया, नहीं, मुझे उस वक्त खुशी मिलती है। जब तुम मुझे रोते हुए फोटो भेजती हो!

कहानी | नटखट परी और जादुई गुफा

एक समय की बात है एक बहुत ही नटखट परी थी। वह पूरी दुनिया देखना चाहती थी। यह सोचकर वह अपने सभी लोगों से अलग हो गई। वह हर दिन बहुत दूर-दूर तक जाती और नए लोग व नई दुनिया देखती थी। एक दिन वह उड़ती हुई एक घर के पास पहुंची। वहां पर वह खिड़की के पास छिप गई। उसने देख उस घर में एक लड़का अपनी मां से जिद्द कर रहा था कि उसे परी देखना है। उसकी मां उसे समझा रही थी कि परियां सिर्फ आसमान में रहती हैं। जब आसामान पूरी तरह से साफ हो जाए, तब तुम उन्हें देख सकते है। अभी रात हो गई है सो जाओ और सुबह जब आसामन साफ होगा तो परी को देख लेना। मां की बात सुनकर वह लड़का सोने लगता है, लेकिन इसे नींद नहीं आती है। तभी खिड़की पर उसे नटखट परी दिखाई देती है। वह उसे घर के अंदर लेकर आता है। उसने देखा वह नटखट परी बहुत ही छोटी है। दोनों साथ में खेलने लगते हैं। नटखट परी उसे अपना जादू दिखा रही थी और वह लड़का भी खुश होकर नाचता। तभी लड़के के कमरे इस तरह की शोर सुनकर वहां पर उसकी मां आने लगती है। लड़का नटखट परी से कहता है कि अब तुम्हें यहां से जाना होगा। मेरी मां आ रही हैं। लड़के की बात सुनकर नटखट परी वहां से उड़ जाती है और लड़का चुपचाप लेटकर सोने का नाटक करने लगता है। जब मां ने दरवाजा खोला तो देखा उसका बेटा तो सो रहा है। उसने सोचा उसे कोई भ्रम हुआ होगा और वह भी अपने कमरे में सोने चली गई।

कहानी से सीख - हर किसी में एक नटखट और शरारती पन छिपा होता है। फिर चाहे कोई बच्चा हो या कोई बड़ा आदमी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा।

वृषभ धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

मिथुन व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वार्थ एवं भोग की प्रवृत्ति से दूर रहें।

कर्क लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है।

सिंह सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा।

तुला व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृश्चिक अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएं सूझबूझ से निपटाएँ। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुम्भ धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी।

मीन व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

स्पैम कॉल्स से परेशान हुईं मीरा कपूर सोशल मीडिया पर मांगी मदद

जैसे-जैसे डिजिटल चीजों का क्रेज लोगों में बढ़ता जा रहा है उनके साथ-साथ कई परेशानियां भी बढ़ती जा रही हैं। इस समय लोग सबसे ज्यादा स्पैम कॉल्स से परेशान हैं। जिनको जितना चाहे ब्लॉक कर लो फिर भी अलग-अलग नंबर के कॉल्स आते ही रहते हैं और अब तो इससे सेलेब्स भी बच नहीं पा रहे हैं। जी हां, हाल ही में शाहिद कपूर की वाइफ मीरा कपूर भी आम लोगों की तरह स्पैम कॉल्स से परेशान हैं। हाल ही में मीरा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने स्पैम कॉल्स को लेकर अपनी परेशानी जाहिर की और इसका समाधान पूछा। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, मैं इन स्पैम कॉल्स से कैसे छुटकारा पाऊं? डीएनडी और नंबर ब्लॉक करने के बावजूद मुझे हर घंटे चार कॉल्स आती हैं! शुक्र है कि वॉइस मेल कैप्शन से पता चल जाता है कि ये ऑटोमेटेड मैसेज है। कोई उपाय बताइए। उनका ये पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको पढ़ने के बाद ऐसा लगता है कि सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि सेलेब्स भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। अब देखना होगा कि मीरा को इस समस्या का कोई समाधान मिलता है या नहीं और अगर मिलता है तो क्या वो इसे बाकी लोगों के साथ शेयर करेंगी। मीरा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने शानदार फैशन सेंस के लिए पसंद की जाती हैं। उनकी अच्छी खास फैन फॉलोइंग है, जो उनको बेहद पसंद और प्यार करती हैं। हाल ही में मीरा ने शाहिद कपूर की फिल्म देवा का रिव्यू भी शेयर करते हुए उनकी काफी तारीफ की थी।

21 फरवरी को सिनेमाघरों में धूम मचायेगी 'मेरे हसबैंड की बीबी'

अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह की अपकमिंग फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी सिनेमाघरों में जल्द दस्तक देने वाली है। फिल्म के ट्रेलर में अभिनेता के साथ दो पॉपुलर एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह नजर आ रही हैं। फिल्म की शूटिंग साल 2022 में शुरू हुई थी और अब यह बड़े पर्दे पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार हो गई है।

फिल्म के ट्रेलर में अर्जुन कपूर भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह के प्यार के बीच उलझे दिख रहे हैं। ट्रेलर शुरुआत में तीनों कलाकारों पर किए तंज से होती है। इसमें सबसे पहले भूमि का चेहरा दिखाया जाता है और कहा जाता है कि ये कमर्शियल मूवीज में बस पत्नी का रोल ही निभा पाई है। फिर रकुल प्रीत सिंह की तस्वीर दिखाते हुए कहा जाता है कि ये बस सेक्सी होने के अलावा और कुछ नहीं है। फिर फाइनली अर्जुन कपूर पर कमेंट किया जाता है। इस दौरान आवाज सुनाई पड़ती है कि इन दोनों के बीच फंसा हुआ है ये लड़का। लगता है लड़के ने मेहनत की है। ट्रेलर पर दर्शकों की तरफ मिली जुली राय आई है। आइए ये भी जान लेते हैं ये फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म रिलीज की जाएगी।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं अर्जुन और भूमि

ये पहली बार नहीं जब अर्जुन और भूमि सिल्वर स्क्रीन पर साथ नजर आ रहे हो। इस फिल्म से पहले अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की जोड़ी फिल्म द लेडी किलर में नजर आई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप हो गई थी।

कब और कहां स्ट्रीम होगी?

मेरे हसबैंड की बीवी एक रोम-कॉम ड्रामा है, जो 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मेरे हस्बैंड की बीवी के OTT राइट्स डिज्नी+ हॉटस्टार ने खरीद लिए हैं। इसके अलावा मूवी में मशहूर कॉमेडियन हर्ष गुजराल ने अजुर्न के दोस्त का किरदार निभाया है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है, जिन्हें पति पत्नी और वो, हैप्पी भाग जाएगी और खेल खेल में जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। वाशु भगनानी और जैकी भगनानी इस फिल्म के निर्माता हैं।

छठे दिन 26 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई शाहिद की 'देवा'

शाहिद कपूर की मच अवेटेड फिल्म 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। पुलिस ऑफिस देव के किरदार में अभिनेता को देखकर फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को औसतन ओपनिंग मिली। अक्षय कुमार स्टारर स्काई फोर्स ने देवा को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, कमाई के आंकड़े को देखकर कहा जा सकता है कि शाहिद की फिल्म इतनी जल्दी हार मानने के मूड में नहीं है।

कॉप मूवी देवा में शाहिद के साथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े को भी लीड रोल में देखा गया। उन्होंने एक निडर रिपोर्टर की भूमिका निभाई है, जो किसी से जरूरी सवाल पूछने से नहीं घबराती। शाहिद और पूजा की जोड़ी ने प्रशंसकों की एक्साइटमेंट को बढ़ाने का काम जरूर किया है। फिलहाल, लोगों में कबीर सिंह जैसी दीवानगी देखने को नहीं मिल रही। पहले दिन 5.5 करोड़ के साथ फिल्म ने टिकट खिड़की पर खाता खोला। अब छठे दिन की कमाई का आंकड़ा भी सामने आ चुका है।

देवा फिल्म ने अक्षय की स्काई फोर्स से ज्यादा कलेक्शन बुधवार को किया है। अक्की की मूवी ने 13वें दिन 1.60 करोड़ का कलेक्शन किया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद कपूर की फिल्म ने 6वें दिन 2.4 करोड़ का कलेक्शन किया है। इससे पहले दिन मंगलवार को भी कमाई का आंकड़ा इतना ही था। वहीं, छह दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 26.7 करोड़ हो गया है। आगामी दिनों में देखना दिलचस्प होगा कि मूवी 30 करोड़ क्लब में कितने समय में शामिल होती है।

अजब-गजब | यहां स्थानीय देवता को मनाने की अनोखी परंपरा

यूपी के इस गांव में शादी के पहले देनी होती है बेजुबानों की बली, वरना पागल हो जाते हैं लोग

चित्रकूट जनपद के एक गांव की ऐसी मान्यता है, जो सुनने में जितनी रहस्यमयी है, उतनी ही चौंकाने वाली भी। इस गांव में किसी भी मांगलिक कार्य खासकर शादी-ब्याह जैसे शुभ अवसरों से पहले एक विशेष परंपरा निभाई जाती है। स्थानीय मान्यता के अनुसार बड़े देव बाबा के मंदिर में बेजुबान जानवर की बलि दिए बिना कोई भी शुभ कार्य करना अशुभ माना जाता है।

हम बात कर रहे हैं चित्रकूट के भरकुर्रा गांव की जहां के बुजुर्गों और स्थानीय निवासियों का मानना है कि यदि कोई व्यक्ति इस परंपरा की अनदेखी करता है, तो उसके परिवार के साथ या तो कोई अप्रिय घटना घट जाती है या परिवार के सदस्य मानसिक समस्याओं से ग्रस्त होकर पागल हो जाते हैं। इसलिए आज भी इस गांव में लोग कोई शुभ कार्य करने से पहले बेजुबान जानवर की बलि देते हैं।

ग्रामीण कमलेश ने बताया कि यह परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। जब भी किसी घर में शादी होती है, तो पहले बड़े देव बाबा के स्थान पर बलि दी जाती है। खासतौर पर जब बेटी की शादी होती है और वह विदा होकर पहली बार अपने ससुराल जाती है, तो उसके बाद

'दहिनवारा' के रूप में बलि चढ़ाई जाती है। कमलेश ने आगे बताया कि एक बार गांव में एक बारात बिना बलि दिए आई थी। उस बारात में किसी ने बड़े देव बाबा की परंपरा का पालन नहीं किया था। इसके बाद कथित तौर पर बारात में आए कई लोग पागल हो गए थे। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि बड़े देव बाबा न केवल गांव की रक्षा करते हैं, बल्कि जो भी उनसे सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। भरकुर्रा गांव के लोग आज भी इस परंपरा को पूरी आस्था के साथ निभाते हैं। हालांकि बदलते वक्त के साथ कई लोग इस प्रथा को अंधविश्वास मानते हुए इसे समाप्त करने की बात भी करते है।

इंसानों की तरह चलता है ये विचित्र पेड़ होते हैं बड़े-बड़े पैर, बढ़ता जाता है आगे

हम जिस धरती पर रहते हैं, उसके बारे में सब कुछ नहीं जानते। हम जो जानते भी हैं, वो इतना कम है कि जब आश्चर्यजनक फैक्ट्स सामने आते हैं, तो आंखें फटी की फटी रह जाती हैं। एक ऐसा ही दिलचस्प तथ्य हम आपको आज बताने जा रहे हैं। इसके बारे में बहुत ही कम लोगों को पता होगा। अगर हम आपसे कहें कि एक ऐसा भी पेड़ है, जो बिल्कुल इंसानों की तरह चल सकता है, तो शायद आप चौंक जाएंगे। हालांकि ये सच है कि धरती पर ऐसा भी पेड़ है, जिसके पैर हैं और वो चल सकता है। ये एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंच सकता है। ये तो सभी को पता है कि पेड़-पौधों की तरह ही इंसानों में भी प्राणतत्व होते हैं। यही वजह है कि वो बढ़ते हैं और छोटे से बड़े हो जाते हैं। हालांकि एक पेड़ न सिर्फ हमारी तरह सांस लेता है बल्कि हमारी ही तरह चल भी सकता है। हममें से बहुत से लोग प्रकृति की इस विचित्र रचना से अनजान हैं। प्रकृति की सबसे रहस्यमय और विचित्र रचना है- कैसापोना वृक्ष, जो इक्वाडोर के गहरे उष्णकटिबंधीय वर्षा वन में पाया जाता है। ताड़ की प्रजाति के इस पेड़ को दौड़ता हुआ ताड़ या चलता हुआ ताड़ भी कहा जाता है। वैसे इसका वैज्ञानिक नाम सोक्रेटिया एक्सोर्रिज़ा है। इक्वेडोर के घने जंगलों में सॉइल इरोशन यानि मृदा अपर्दन की दर बहुत ज्यादा है। जंगल घना होने की वजह से प्रकाश हर जगह नहीं पहुंच पाता, ऐसे में जब पौधे की जड़ पर मिट्टी ढीली हो जाती है, तो वह मजबूत मिट् टट्टी और पर्याप्त सूर्य के प्रकाश की तलाश में नई मूल जड़ें पैदा करता है। नई जड़ें धीरे-धीरे कठोर मिट्टी में जम जाती हैं, जबकि पुरानी जड़ें मिट्टी से ढीली हो जाती हैं। इस तरह पेड़ अपनी पुरानी स्थिति से आगे बढ़कर नई जगह जम जाता है। स्लोवॉक राज्य अनुसंधान संस्थान के वनस्पति शास्त्री पीटर व्रान्स्की ने इस पेड़ की जड़ों के माध्यम से गति करने की क्षमता का रहस्य सबके सामने रखा था। उनके शोध से पता चला है कि कैसापोना वृक्ष जीवित रहने के लिए अपनी जगह बदलता रहता है। हालांकि स्थानांतरण की यह प्रक्रिया काफी धीमी है और पेड़ एक दिन में दो से तीन सेंटीमीटर तक आगे बढ़ सकता है। एक पेड़ को पूरी तरह से स्थानांतरित होने में लगभग दो वर्ष का समय लगता है। कभी-कभी पेड़ अपनी मूल स्थिति से लगभग 20 मीटर तक ऊपर पहुंच जाता है। कैसापोना वृक्ष प्रकृति का एक अद्भुत उदाहरण है, जो साबित करता है कि जानवरों की तरह पौधे भी जीवित रहने के लिए खुद को अनुकूलित करते हैं। पेड़ की यह विचित्र विशेषता न केवल पर्यावरण वैज्ञानिकों के लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी प्रकृति का एक रहस्य बनी हुई है।

पीएम के पास है केवल कांग्रेस बदनाम योजना : जयराम रमेश

» रास में मोदी के भाषण पर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

» कांग्रेस सांसद बोले - 90 मिनट झूठ की गंगा बहाते रहे मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर एकबार फिर जमकर निशाना है। पार्टी ने कहा कि राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झूठ की नदी बहाई और इतिहास को तोड़-मरोड़ दिया, लेकिन लोगों के वास्तविक मुद्दों पर बात नहीं की। मोदी ने कांग्रेस पर वोट पाने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर काम कर रही है।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि 90 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री इतिहास तोड़ मरोड़ योजना और प्रधानमंत्री कांग्रेस बदनाम योजना के अलावा कुछ नहीं था। ये एकोलिस्टिक भाषण था। प्रधानमंत्री 90 मिनट झूठ की गंगा बहाते रहे। जयराम रमेश ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री की ध्यान भटकाने, विकृत करने और बदनाम करने की क्षमता सचमुच चौंका देने वाली है। आज राज्यसभा में उनका 90 मिनट का भाषण झूठ और आधे सच से भरा था। जवाहरलाल नेहरू के प्रति उनका पैथोलॉजिकल जुनून पूरे प्रदर्शन पर था। यह उनके पद के लिए अयोग्य प्रदर्शन था।

राजस्थान में जाति देखकर हो रहे ट्रांसफर: मुकेश

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र में कांग्रेस जबरदस्त तरीके से सरकार पर हमले बोल रही है। कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर ने राज्यपाल अभिभाषण पर बहस के दौरान सरकार पर आरोप लगाए कि कर्मचारियों के तबादले जाति देखकर किए जा रहे हैं। भाकर के आरोपों पर सदन में माहौल गरमाता नजर आया। उन्होंने सरकार की तबादला नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कहा कि जाट अफसरों और कर्मचारियों की जाति देखकर तबादले किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सारे दफ्तर आपने ठेके पर दे दिए हैं। इसी तरह चलता रहा है तो जनता आप लोगों को गांवों में घुसने नहीं देगी। मंत्री अविनाश गहलोत ने भाकर के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, यह मुकेश भाकर की गलती नहीं है, बल्कि उनकी पार्टी की संस्कृति ही जातिवाद का जहर घोलने की है।

अपनी कमियों को छुपाने के लिए कांग्रेस का नाम लेतें हैं पीएम : ब्रिटास

सीपीआई-सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि यह निराशाजनक है कि पीएम आपातकाल का सहारा लेते रहे, उन्हें आपातकाल के बारे में बोलते हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। मुझे नहीं लगता कि पीएम को अपनी सरकार की कमियों के लिए कांग्रेस सरकार की विफलताओं का बहाना लेना चाहिए।

तबादलों की निष्पक्ष जांच हो : टीकाराम जूली

वहीं, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने तबादलों की लिस्ट की निष्पक्ष जांच की मांग की। मामले पर हस्तक्षेप करते हुए संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम ने कहा कि कांग्रेस को मुख्यमंत्री पर सीधा निशाना साधने से बचना चाहिए। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जब भाजपा खुद आरोप लगाती है, तो कांग्रेस को सवाल उठाने से क्यों रोका जा रहा है। उन्होंने मांग की कि तबादलों की लिस्ट की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कांग्रेस विधायक रीटा चौधरी ने सरकार पर रिवेंज पॉलिटिक्स का आरोप लगाते हुए कहा कि झुंझुनू के कर्मचारियों को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर दूरदराज के इलाकों में भेज दिया गया है।

सिद्धारमैया को मिली राहत हाईकोर्ट ने याचिका की खारिज

» मुडा स्कैम के लिए की गई थी सीबीआई जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक हाईकोर्ट ने आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर एक रिट याचिका के संबंध में अपना फैसला सुना दिया। मुडा साइट आवंटन मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। सीएम सिद्धारमैया से जुड़े कथित स्कैम की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। इस मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ आरोप शामिल हैं, विशेष रूप से उनकी पत्नी पार्वती बीएम को मुडा द्वारा 14 साइटों के अवैध आवंटन के संबंध में मामला आगे की जांच के लिए सीबीआई को सौंपा जाएगा या नहीं। एक अलग मामले में उच्च न्यायालय भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा द्वारा दायर एक याचिका पर भी अपना फैसला सुनाने के लिए तैयार है।

येदियुरप्पा ने अपने खिलाफ दर्ज एक आपराधिक मामले को खारिज करने की मांग की है, जिसमें भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत आरोप शामिल हैं। मामला पिछले साल 14 मार्च का है जब 17 वर्षीय लड़की की मां ने शिकायत दर्ज कराई थी कि येदियुरप्पा ने 2 फरवरी को डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया था। आरोपों के कारण पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया था, जो अब आरोपों को हटाने की मांग कर रहे हैं। दोनों मामलों की देखरेख कर रहे न्यायमूर्ति एम नागाप्रसन्ना ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है और आज फैसला सुनाने की उम्मीद है। इन हाई-प्रोफाइल मामलों का राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक और कानूनी प्रभाव पड़ना तय है।

नायडू सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन से राज्य पिछड़ा : जगन मोहन रेड्डी

» वाईएसआरसीपी प्रमुख का सीएम चंद्रबाबू पर बजट में हेराफेरी का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वाईएसआरसीपी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन और नीतिगत विफलताओं का आरोप लगाते हुए तीखा हमला किया। जगन ने अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। जगन ने नायडू पर वास्तविक ऋण आंकड़ों का खुलासा करने से बचने के लिए जानबूझकर राज्य के बजट प्रस्तुति में देरी करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा में बजट पेश करने में देरी की क्योंकि उन्हें राज्य के सटीक कर्ज का आंकड़ा बताने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो कि 6.46 लाख करोड़ रुपये है, जो टीडीपी के 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के दुर्भावनापूर्ण दावे के विपरीत है। हाल ही में हुए तिरूपति नगर निगम के उपमहापौर चुनाव को संबोधित करते हुए जगन ने इसे लोकतंत्र का मखौल करार दिया और बताया कि नगर निकाय की 49 में से 48 सीटें वाईएसआरसीपी के पास होने के बावजूद टीडीपी जीतने में कामयाब रही।

नगर निगम के समाधान दिवस में उमडी भीड

» मेयर और नगर आयुक्त ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को बारीकी से सुना

» इस तरह होना चाहिए टैक्स पॉलिसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। त्रिलोकनाथ सभागार हाल में नहीं थी पैर रखने की जगह नगर निगम से संबंधित सभी शिकायतों को मेयर सुषमा खर्कवाल, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव,मुख्य कर निर्धारण अधिकारी ने एक एक कर सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को बारीकी से सुना। संबंधित जोनल अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए गए। दोपहर 1 बजे तक 150 से अधिक समस्याओं का निस्तारण हुआ।

शिकायत लेकर आने वाले पीड़ितों ने मेयर व सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया। कृष्णा नगर नारायण पूरी निवासी मुन्ना लाल यादव के मकान पर भूमाफिया ने कब्जा कर लिया तो मेयर के दरबार में गुहार लगाई मामला संज्ञान में आते ही सम्बन्धित अधिकारी को जांच के आदेश दिए। टैक्स निर्धारण की पॉलिसी अंडरअसिस भवनों का असेसमेंट किस तिथि से किया जाए इसकी पॉलिसी निर्धारित होनी चाहिए जिससे पब्लिक को क्लियर रहे कि कब तक के कब तक का टैक्स जमा कराए जाए जिससे भ्रष्टाचार कम हो सके।

मेयर से लगाई गुहार

श्रेयस-गिल और अक्षर के तूफान में उड़े अंग्रेज

» भारत ने बनाई 1-0 से बढ़त, हर्षित-जडेजा ने लिए तीन-तीन विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 47.4 ओवर में 248 रन बनाए। जवाब में भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाकर मैच जीत लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई थी।

यशस्वी जायसवाल (15) और रोहित शर्मा (02) 19 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 गेंदों में 94 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान श्रेयस ने अपने वनडे करियर का 19वां पचासा किया। इसके लिए उन्होंने 30 गेंदें खेलीं। इसके बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अक्षर पटेल ने शुभमन गिल के बीच चौथे विकेट के लिए 100 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई, जिसे आदिल रशीद ने अक्षर पटेल को बोल्ड कर तोड़ दिया। वह 47 गेंदों में 52 रन बनाकर लौटे। वहीं, शुभमन गिल 87 रनों की दमदार पारी खेलकर आउट हुए। वहीं डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर रवींद्र जडेजा ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

जडेजा 600 विकेट लेने वाले बने पांचवे भारतीय गेंदबाज

नागपुर। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शानदार गेंदबाजी की और तीन विकेट लेने में सफल रहे। जडेजा ने इसके साथ ही भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट पूरे कर लिए हैं और वह ऐसा करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज हैं। जडेजा ने अपने करियर में भारत के लिए 80 टेस्ट मैचों में 323 विकेट, 198 वनडे में 223 विकेट और 74 टी20 में 54 विकेट लिए हैं। जडेजा से पहले भारत की ओर से अनिल कुंबले ने 401 मैच में 953 विकेट, रविचंद्रन अश्विन 287 मैच में 765 विकेट, हरभजन सिंह ने 365 मैच में 707 विकेट, कपिल देव ने 356 मैच में 687 विकेट लिये है।

महाकुंभ में अव्यवस्थाओं के बीच भ्रष्टाचार की भी आहट!

आजाद अधिकार सेना ने मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र, वन निगम के टेंडर में धांधली का लगाया आरोप

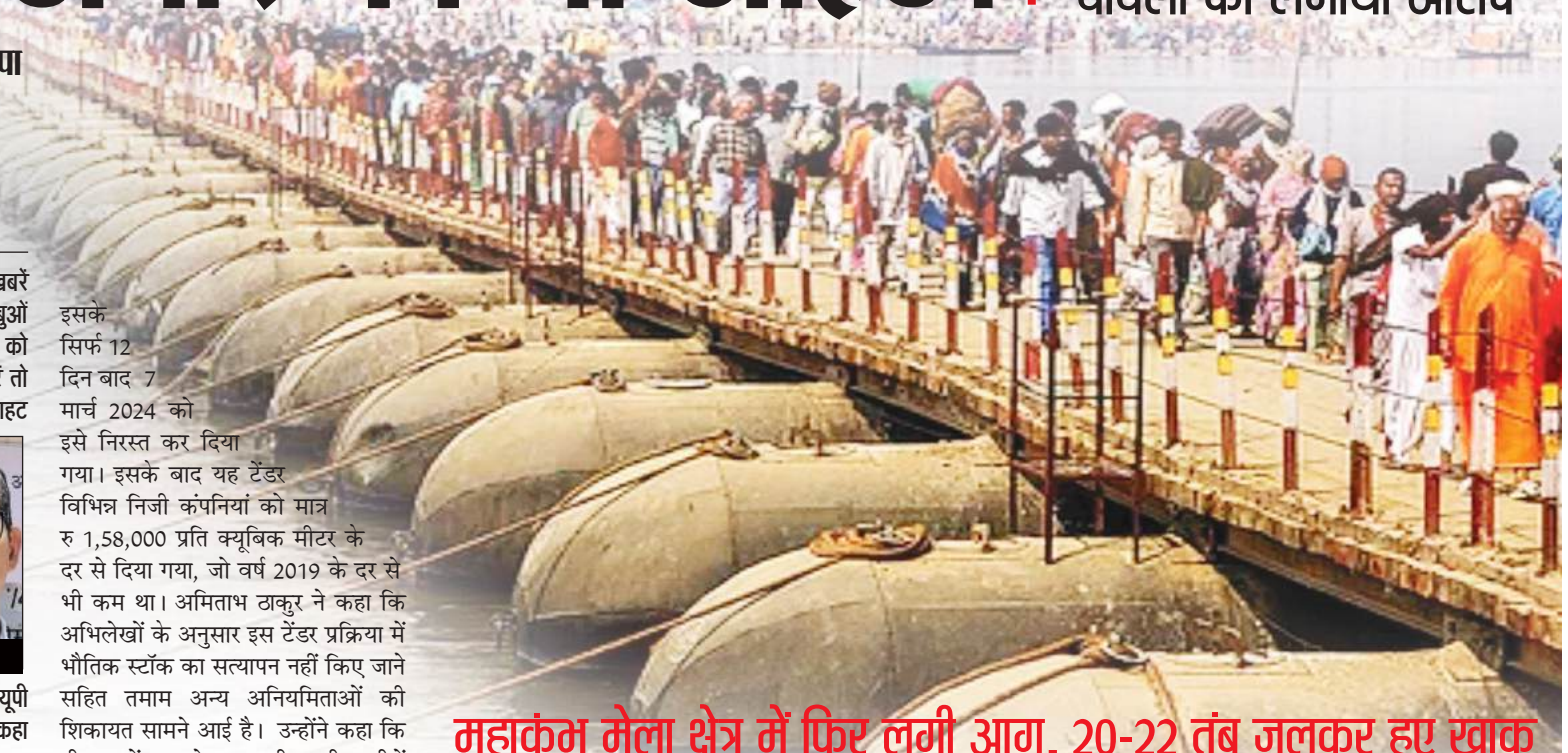

» अमिताभ ठाकुर ने की पीपा पुल साल स्लीपर सप्लाई के 147 करोड़ रुपये के टेंडर की जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाकुंभ में अव्यवस्था की खबरें आना कम नहीं हो रही हैं। जगह-जगह तंबुओं में आग लगने की घटना के साथ आम जन को आने जाने में होने वाली दिक्कतों की खबरें तो आ रहीं है अब इसमें भ्रष्टाचार की भी सुगबुगाहट होने लगी हैं। इसी के बाबत आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कुंभ में पीपा पुल पर साल स्लीपर के सप्लाई के 147 करोड़ रुपए के टेंडर की जांच की मांग की है। यूपी के मुख्यमंत्री को भेजे अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि उन्हें प्राप्त अभिलेखों के अनुसार पीपा पुल पर साल स्लीपर की सप्लाई के लिए कुंभ 2019 में अरुणाचल प्रदेश वन निगम को रु 1,58,250 प्रति क्यूबिक मीटर के दर से टेंडर दिया गया था।

अमिताभ ठाकुर

इस बार भी निर्माण खंड-4, प्रयागराज द्वारा 24 फरवरी 2024 को अरुणाचल प्रदेश वन निगम को रु 2,04,500 प्रति क्यूबिक मीटर की दर से टेंडर दिया गया था किन्तु इसके सिर्फ 12 दिन बाद 7 मार्च 2024 को इसे निरस्त कर दिया गया। इसके बाद यह टेंडर विभिन्न निजी कंपनियां को मात्र रु 1,58,000 प्रति क्यूबिक मीटर के दर से दिया गया, जो वर्ष 2019 के दर से भी कम था। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि अभिलेखों के अनुसार इस टेंडर प्रक्रिया में भौतिक स्टॉक का सत्यापन नहीं किए जाने सहित तमाम अन्य अनियमिताओं की शिकायत सामने आई है। उन्होंने कहा कि पीपा पुलों पर लगे साल स्लीपर की तस्वीरों से इनकी गुणवत्ता अत्यंत ही खराब दिख रही है। बार-बार और विशेष कर अधिक भीड़भाड़ के अवसरों पर पीपा पुलों को बंद किया जाना इस बात की पुष्टि करते दिखते हैं। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार सहित लोगों की जान के साथ खिलवाड़ का मामला बताते हुए इन समस्त तथ्यों की अविलंब उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में फिर लगी आग, 20-22 तंबू जलकर हुए खाक

महाकुंभ कुंभ मेले के सेक्टर 18 शंकराचार्य मार्ग पर आग लग गई। दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है और आग बुझाने का काम किया जा रहा है। मौके से अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। खाक चौक पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर योगेश चतुर्वेदी ने कहा कि पुरानी जीटी रोड पर तुलसी चौराहे के पास एक शिविर में आग लग गई। हालांकि, अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है। उन्होंने कहा कि अभियान की निगरानी के लिए अग्निशमन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 10.45 बजे सेक्टर 18 के एक पंडाल के टेंट में धुआं देखा गया, हालांकि फायर ब्रिगेड ने तुरंत तीन गाड़ियां भेजकर आग पर काबू पा लिया। दो से तीन टेंट जल गए लेकिन आग पर काबू पा लिया गया है। सीएफओ प्रमोद शर्मा ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है. इसकी शुरुआत इस्कॉन से हुई और फिर दूसरे टेंटों में भी आग लग गई। किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ है और न ही कोई घायल हुआ है। 20-22 तंबू जल गए हैं।

फोटो: 4 पीएम

पोस्टरवार लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर पोस्टर वॉर शुरू कर दिया है। अब लोहिया वाहिनी के प्रदेश प्रवक्ता सोमिल सिंह श्रीनेत ने पार्टी कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगाई है। जिसमें लिखा है 27 में आएंगे अखिलेश, 32 में भव्य अर्धकुंभ कराएंगे विशेष।

उद्धव खेमे के 6 सांसद बदलेंगे पाला: नरेश म्हस्के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र में एक बार फिर बड़ा सियासी भूचाल शुरू हो गया है। शिवसेना यूबीटी के छह सांसद उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। इसकी चर्चा जोरों पर है। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि पूरा यूबीटी ख़त्म होने वाला है।

महाराष्ट्र में यूबीटी के विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व पार्षद, पदाधिकारी सभी पार्टी छोड़कर शिवसेना में शामिल हो रहे हैं। अब संजय राउत, आदित्य ठाकरे और उद्धव ठाकरे के अलावा कोई भी उनके साथ नहीं रहने वाला है। बीजेपी सांसद योगेंदर चंदोलिया ने कहा कि असली शिव सेना एकनाथ शिंदे की, बाला साहेब ठाकरे की शिव सेना है। उन्होंने कहा, अंत में उद्धव ठाकरे अकेले पड़ जाएंगे और उनकी पार्टी के सभी सदस्य असली शिवसेना में शामिल हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि ठाकरे के 6 सांसद जल्द ही शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होंगे।

महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों में की गई गड़बड़ी: राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष का बड़ा आरोप, पूछा- ये 39 लाख वोटर कौन हैं?

» शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी-एससीपी ने भी खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने दिल्ली में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि हम इस टेबल पर पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने महाराष्ट्र में पिछला चुनाव लड़ा था। हम चुनाव के बारे में कुछ जानकारी लेकर आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि हमने मतदाताओं और मतदान सूची के विवरण का अध्ययन किया।

हमारी टीमें काम कर रही हैं और हमें कई अनियमितताएं मिली हैं। राहुल ने कहा कि देश के लिए, विशेषकर युवा लोगों के लिए जो लोकतंत्र के पक्षधर हैं और उसमें विश्वज्ञस करते हैं, इन निष्कर्षों से अवगत होना और समझना आवश्यक है। राहुल ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव से 2024 के लोकसभा चुनाव के बीच 5 साल में 32 लाख मतदाता जुड़े। हालाँकि, लोकसभा 2024 में इन पार्टियों (कांग्रेस, एनसीपी-एससीपी, शिवसेना (यूबीटी)) की जीत और विधानसभा चुनावों के बीच 5 महीने की अवधि में, 39 लाख मतदाता जुड़े। सवाल ये है कि ये 39 लाख वोटर कौन हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के कुल मतदाताओं की संख्या के बराबर है। दूसरा मुद्दा यह है कि महाराष्ट्र में राज्य की कुल मतदान आबादी से अधिक मतदाता क्यों हैं? कुछ इस तरह से महाराष्ट्र में अचानक से वोटर तैयार हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कई, कई, कई मतदाता हैं जिन्हें हटा दिया गया है। जो मतदाता एक बूथ पर हैं उन्हें दूसरे बूथ पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इनमें से अधिकतर मतदाता दलित समुदाय, आदिवासी समुदाय और अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं। हमने चुनाव आयोग से बार-बार अनुरोध किया है। उन्होंने हमें जवाब नहीं दिया। ये बात विपक्ष के नेता ने संसद भवन में कही है।

प्रवासियों की सुरक्षा के प्रति सजग हो सरकार: राउत

» शिवसेना (यूबीटी) सांसद बोले- यूएस के विमान को उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को अमेरिका से भारतीय प्रवासियों के निर्वासन पर केंद्र की आलोचना की और तर्क दिया कि यूएसए के विमान को उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि भारत सरकार को अपने नागरिकों की सुरक्षा में अधिक मुखर भूमिका निभानी चाहिए। संजय राउत ने कहा कि हमारे लिए वे अपराधी नहीं हैं। उनके पैरों और हाथों की बेड़ियां हटा दी जानी चाहिए थीं। यह

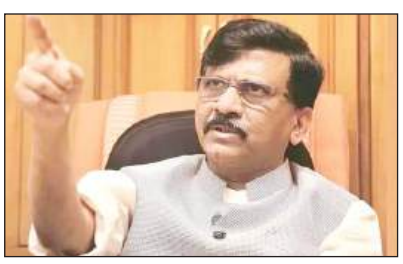

कानून का उल्लंघन था।

यूएसए के विमान को उड़ान भरने और वापस जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी। राउत ने तर्क दिया कि एक बार जब ये व्यक्ति भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गए, तो उनके साथ भारतीय कानूनों के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए था, न कि अपराधियों के रूप में। राउत का बयान अंतरराष्ट्रीय आव्रजन कानूनों की जटिलताओं और निर्वासित किए जा रहे व्यक्तियों के अधिकारों पर प्रकाश डालता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ा रुख अपनाना चाहिए था, भले ही उन्हें अमेरिका द्वारा अवैध अप्रवासी माना गया हो। राउत ने कहा, वे अमेरिका के लिए अवैध अप्रवासी थे। हालांकि, उनके विमान के भारतीय सीमा में प्रवेश करने पर भारतीय कानून लागू होते थे। यूबीटी नेता की यह टिप्पणी सख्त आव्रजन प्रवर्तन उपायों के तहत भारतीय नागरिकों के एक समूह को अमेरिका से निर्वासित किए जाने के बाद आई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।